।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८   **द्वितीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२२   **समय : सुबह ९ से १२**   **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ....   **केन्द्र का नाम :** ....

(जैन पाठावली – भाग ५)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए। **(४)**

१. दीपावली का दूसरा दिन किस नामसे पहचाना जाता है? ....

२. महात्मा रोजाना संध्या के समय क्या देते थे? ....

३. आनंद को खमानेवाले कौन थे? ....

४. हम किसके सेनानी हैं? ....

प्रश्न २. गुणस्थानों का तक्ता पूर्ण कीजिए। **(६)**

मिथ्यात्व गुणस्थान	....	मिश्र गुणस्थान
....	देशविरति श्रावक गुणस्थान	प्रमादी साधु गुणस्थान
अप्रमादी साधु गुणस्थान	....	....
सूक्ष्म संपराय गुणस्थान	....	क्षीण मोहनीय गुणस्थान
सयोगी केवली गुणस्थान	....	

प्रश्न ३. 'अहिंसा परमो धर्मस्त..........' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ४. 'महामंत्र की महिमा' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ५ सूचना निम्नलिखित सवालों के जवाब सामनेवाले कोष्ठक में लिखकर रंगीन कोष्ठक में आनेवाले अक्षरों से तीन सार्थक शब्द तैय्यार करके बताइए। **(२०)**

१. संत दर्शन के नियमों को क्या कहते हैं?

२. उस समय शादी ब्याह में कैसी प्रथा चल रही थी?

३. संत के अनुसार समस्या का हल बड़ा कैसे हैं?

४. पशुओं की क्या देखकर नेमीकुमार प्रसन्न हो गये?

५. राजा कैसा था?

६. सत्य के पीछे चलने सेक्या प्राप्त होता है?

७. किसी दूसरे की किसी वस्तु से मन को दूर रखने कोक्या कहते हैं?

८. सदाचार से मन के साथ किसमें अच्छी बातें आसानी से भर सकेगी?

९. आत्मा के लिए कौनसा शब्द है?
१०. आत्मा में रमण करनाक्या है?
११.क्या बहुत बुरी चीज है?
१२. अपने मन को किसके के प्रपंच से हटाकर गुरु पर एक करना चाहिए?
१३. २२ वें तीर्थकर का नाम क्या है?
१४. महात्मा के पास आने वाला व्यक्ति बड़ा कैसा नजर आ रहा था?
१५. अच्छे कर्म करने पर तुम अपने आप में क्या महसूस करोगे?
१६. गुरु जो फरमाते हैं उसे कैसे सुनना चाहिए?
१७. अरिहंत भगवान ने सदुपदेश देकर हम पर क्या किया?

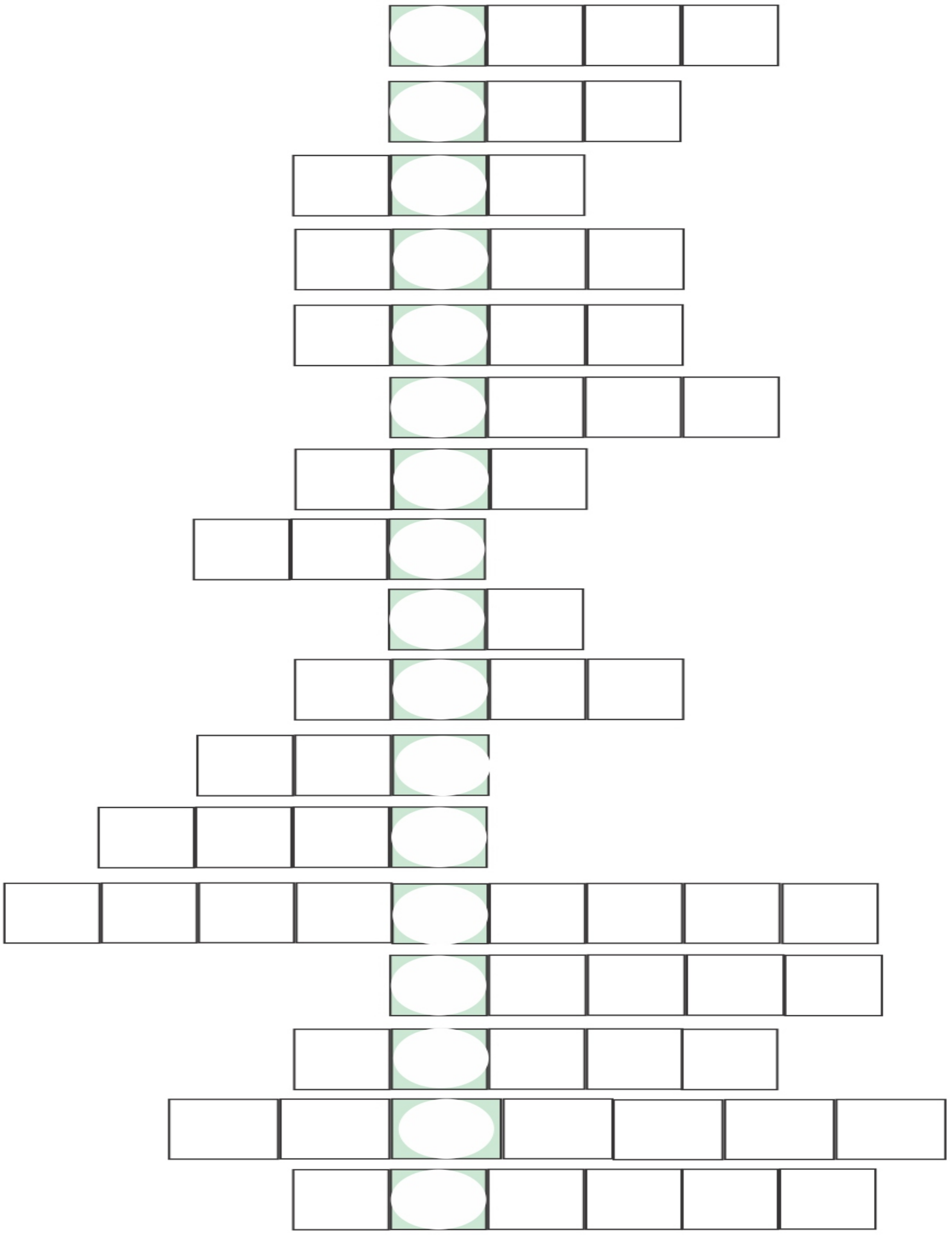

१. ....
२. ....
३. ....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ **द्वितीय खण्ड - लेखी**

सन् २०२२ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : .... **केन्द्र का नाम : ....**

(जैन पाठावली - भाग ५)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. दीपावली का दूसरा दिन किस नामसे पहचाना जाता है? ....

२. महात्मा रोजाना संध्या के समय क्या देते थे? ....

३. कोयल की वाणी में कौनसा गुण है? ....

४. आनंद को खमानेवाले कौन थे? ....

५. हम किसके सेनानी हैं? ....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. मर्यादा पालन के कारण ही तो, राम को .... स्वीकारा है।

२. नवलाख बार जो जपता है, नहीं .... गति में जाता है।

३. गौतम स्वामी ने भी तो .... आज्ञा में सिर नमाया।

४. .... के पथ पर चलकर, दे सबको जिंदगानी।

५. मत देखो तुम रुपरंग को, सदा .... पर ध्यान दो।

६. .... दे करायी, जिन्होंने आत्म पहचान है।

७. .... बिना कोई भी वस्तु घर में ना लाना।

८. धार ले अगर तो .... कुछ भी नहीं है।

९. Life's important tool is ....

१०. चोरी करना .... और कराना गलत।

प्रश्न ३. ये कौन है, पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. Which bird feels the light? ....

२. किसने अब तक ३४ अरब डॉलर दान दिए है? ....

३. Who's Mathematics was weak? ....

४. किसके पास घर जाते वक्त दो ही बैग थे? ....

५. किसने जुए-सट्टे का अड्डा बंद कराया? ....

६. कत्तलखाने बंद करनेवाले कौन थे? ....

७. सच बताकर इनाम नहीं लेनेवाले कौन थे? ....

८. किनके पास केवल एकन्नी थी? ....

९. कौन यूनानी दार्शनिक थे? ....

१०. What is priceless? ....

प्रश्न ४. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. सेठ कितने किलो आटा लेकर बुढिया के घर गया? ....
२. Pentagon is of how many degree? ....
३. मोहनीय कर्म के कारण कितने गुणस्थान होते हैं? ....
४. भगवान अरिष्टनेमि को जन्म से कितने ज्ञान थे? ....
५. कारपेन्टर की उम्र कितने साल की थी? ....
६. तीर्थकरों के कितने कल्याणक होते हैं? ....
७. राजा वसुने कितनी बार झूठ बोला? ....
८. सम्यक्त्व के कितने तत्व होते हैं? ....
९. अभिगम कितने हैं? ....
१०. कर्म कितने है? ....

प्रश्न ५. निम्नलिखित वाक्य किसने कहे, बताइए। **(८)**

१. आप जैसा कहते हैं, मैं वैसा करने के लिए तैयार हूँ। ....
२. ये सवाल मैंने नहीं, मेरे बड़े भाई ने छुड़ाये हैं। ....
३. उसे सिर्फ आधा किलो आटा दान में दे दो। ....
४. कभी जी को लालच में न फंसने देना। ....
५. गुरुदेव ने ऐसा अर्थ नहीं बताया था। ....
६. मुझे अतिरिक्त की जरूरत नहीं है। ....
७. क्या मेरी आठवीं पीढ़ी भूखों मरेगी? ....
८. पानी सदाचार की तरह है।

प्रश्न ६. ये सीख किस कहानी की है, लिखिए। **(८)**

१. It gives us the sense of achievement. ....
२. हमारे भारत का राष्ट्रीय वाक्य है 'सत्यमेव जयते'। ....
३. हमें ईमानदारी से अपना जीवन बीताना चाहिए। ....
४. गुरु के समक्ष खुले मूंह से नहीं बोलना चाहिए। ....
५. उत्तराध्ययन सूत्र भगवान की अंतिम देशना है। ....
६. आत्मा में रमण करना ब्रम्हचर्य है। ....
७. अहिंसा धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म है। ....
८. तृष्णा का कोई अंत नहीं है। ....

प्रश्न ७. किस कर्म के क्षय से आत्मा को ये गुण प्राप्त होते हैं? **(६)**

कर्म	**गुण**	**कर्म**	**गुण**
अटल अवगाहना	....	क्षायिक सम्यक्त्व	....
अनंतदर्शन	....	अनंतज्ञान	....
अमूर्तिक	....	अगुरुलघु	....

प्रश्न ८. गुणस्थानों का तक्ता पूर्ण कीजिए। **(६)**

मिथ्यात्व गुणस्थान	....	मिश्र गुणस्थान
....	देशविरति श्रावक गुणस्थान	प्रमादी साधु गुणस्थान
अप्रमादी साधु गुणस्थान	....	....
सूक्ष्म संपराय गुणस्थान	....	क्षीण मोहनीय गुणस्थान
सयोगी केवली गुणस्थान	....	

प्रश्न ९. जोड लगाइए। **(१२)**

अ–स्तंभ	**ब–स्तंभ**	**अ–स्तंभ**	**ब–स्तंभ**
१. अमृतं चैव	सत्यमप्रियम्।	१.	....
२. दयां कुर्वन्ति	भजेत् ततः।	२.	....
३. न ब्रूयात्	विनिवृत्तिर्या।	३.	....
४. सत्यमेव	न कर्तव्या।	४.	....
५. मनसो	मृत्युश्च।	५.	....
६. अल्पहारी	साधवः।	६.	....
७. नास्ति विद्यासमं	प्राज्ञं।	७.	....
८. अतितृष्णा	गृहत्यागी।	८.	....
९. अपि मेरूसमं	नाशं।	९.	....
१०. गुणस्थान	वित्तं।	१०.	....
११. भवन्ति	कराभ्यां।	११.	....
१२. दोषाः प्रयान्तु	हितबुध्दयः।	१२.	....

प्रश्न १० 'अहिंसा परमो धर्मस्त..........' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

....
....
....
....
....
....
....
....

प्रश्न ११ सूचना निम्नलिखित सवालों के जवाब सामनेवाले कोष्ठक में लिखकर रंगीन कोष्ठक में आनेवाले अक्षरों से तीन सार्थक शब्द तैय्यार करके लिखिए। **(२०)**

१. संत दर्शन के नियमों को क्या कहते हैं?
२. उस समय शादी ब्याह में कैसी प्रथा चल रही थी?
३. संत के अनुसार समस्या का हल बड़ा कैसे हैं?
४. पशुओं की क्या देखकर नेमीकुमार प्रसन्न हो गये?
५. राजा कैसा था?
६. सत्य के पीछे चलने सेक्या प्राप्त होता है?
७. किसी दूसरे की किसी वस्तु से मन को दूर रखने कोक्या कहते हैं?
८. सदाचार से मन के साथ किसमें अच्छी बातें आसानी से भर सकेगी?

९. आत्मा के लिए कौनसा शब्द है?
१०. आत्मा में रमण करनाक्या है?
११.क्या बहुत बुरी चीज है?
१२. अपने मन को किसके के प्रपंच से हटाकर गुरु पर एक करना चाहिए?
१३. २२ वें तीर्थकर का नाम क्या है?
१४. महात्मा के पास आने वाला व्यक्ति बड़ा कैसा नजर आ रहा था?
१५. अच्छे कर्म करने पर तुम अपने आप में क्या महसूस करोगे?
१६. गुरु जो फरमाते हैं उसे कैसे सुनना चाहिए?
१७. अरिहंत भगवान ने सदुपदेश देकर हम पर क्या किया?

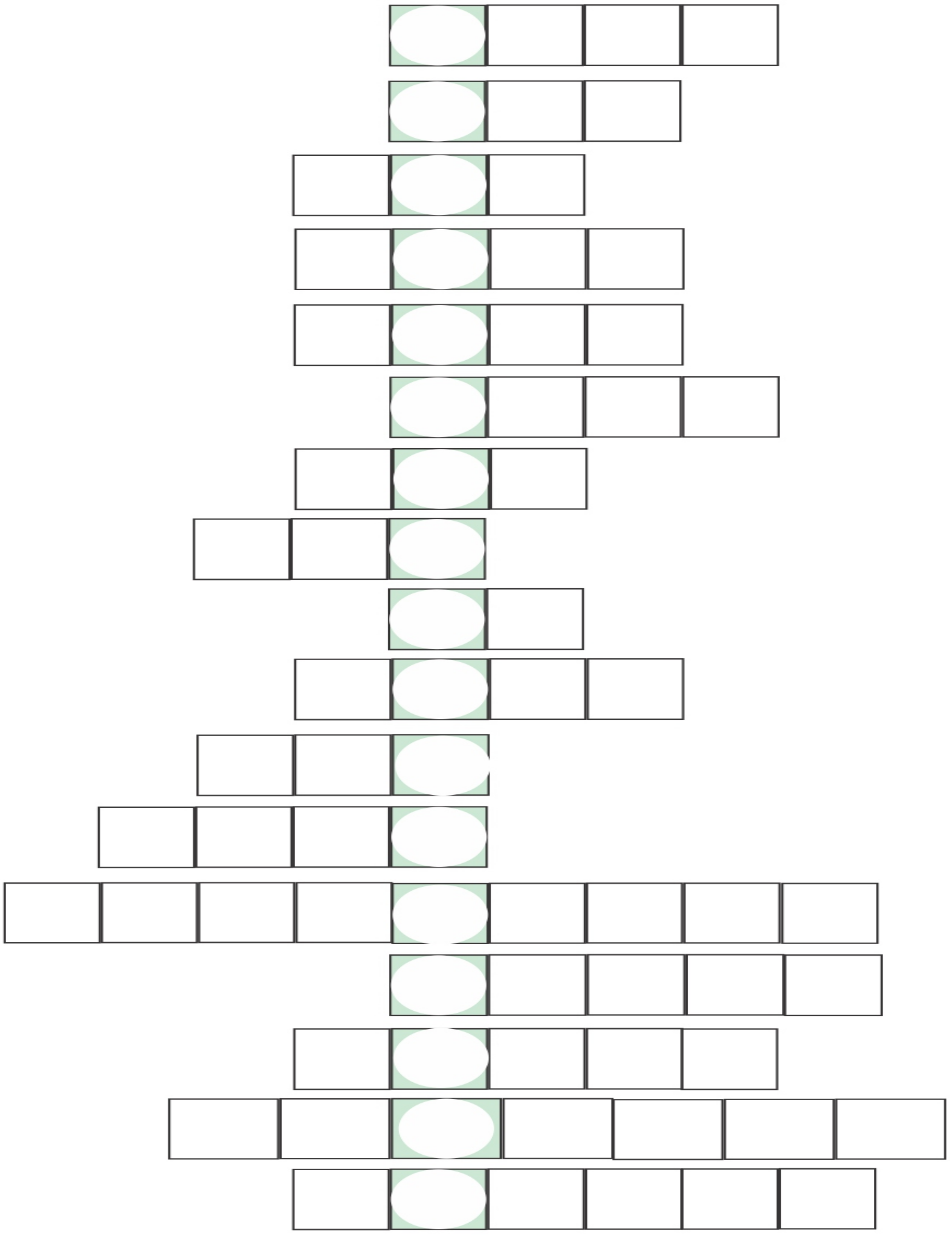

१. ....
२. ....
३. ....